



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216]  
No. 216]नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 3, 2013/वैशाख 13, 1935  
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 3, 2013/VAISAKHA 13, 1935

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 2013

सं. 10/2013- सीमा शुल्क (एडीडी)

**सा.का.नि. 285(अ).**— जहां कि फेनोल (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत माल से संदर्भित किया गया है), जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त टैरिफ अधिनियम से संदर्भित किया गया है), कि प्रथम अनुसूची के अध्याय 27 या 29 के अंतर्गत आता है, जो यूरोपीय समुदाय, दक्षिण अफ्रीका और सिंगापुर (एतश्मिन पश्चात जिन्हें विषयगत देश से संदर्भित किया गया है) के आयात के मामले में, अधिसूचना सं. 15.09.2007- डीजीएडी, दिनांक 4 अगस्त, 2008 जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग 1, खंड 1, की दिनांक 4 अगस्त, 2008 को प्रकाशित किया गया था के तहत नामित प्राधिकारियों के द्वारा दिये गये निष्कर्षों के आधार पर, केन्द्र सरकार ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 114/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 31.10.2008, जिसे सा.का.नि. 758 (अ), दिनांक 31.10.2008 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था के तहत उक्त विषयगत माल पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क लगाया था।

और जहां कि नामित प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 15.16.2011-डीजीएडी, दिनांक 8.12.2011 जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1 में दिनांक 8.12.2011 को प्रकाशित किया गया था के तहत सीमाशुल्क टैरिफ (प्रतिपाटित वस्तुओं के अभिज्ञान, आकलन और उन पर प्रतिपाटन शुल्क का संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (एतश्मिन पश्चात जिन्हें उक्त नियमावली से संदर्भित किया गया है) के नियम 23 के साथ पठित उक्त टैरिफ अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (5) की दृष्टि से उक्त विषयगत

देश में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित विषयगत माल के आयात पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं.114/2008- सीमाशुल्क, 31.10.2008, जिसे भारत के राजपत्र, आसाधारण के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में सा.का.नि. 758 (अ), दिनांक 31.10.2008 के तहत प्रकाशित किया गया था, के तहत लगाए गए प्रतिपाटन शुल्क को आगे जारी रखने के लिए समीक्षा की है।

और जहां कि उक्त नामित प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 15/16/2011- डीजीएडी, दिनांक 06.02.2013, जिसे भारत के राजपत्र, आसाधारण, के भाग भाग 1, खंड 1 में दिनांक 06.02.2013 को प्रकाशित किया गया था, के तहत यह निष्कर्ष निकाला है कि-

(i) यूरोपीय समुदाय तथा दक्षिण अफ्रीका, से आयातित उक्त विषयगत माल का प्रतिपाटन लाभांश सकारात्मक रहा है- जबकि यह जांच की अवधि के दौरान सिंगापुर से आयातित माल के मामले में ऋणात्मक रहा है।

(ii) बहरहाल, जबकि विषयगत माल दक्षिण अफ्रीका से भारतीय बाजार में प्रतिपाटित मूल्यों पर, तो क्या वर्तमान उपायों को वापस ले लिया जाना चाहिए और क्या दक्षिण अफ्रीका से होने वाले आयात से संभावित पाटन लाभांश या क्षति लाभांश महत्वपूर्ण है।

(iii) यदि वर्तमान प्रतिपाटन शुल्क को वापस ले लिया जाता है तो सिंगापुर और यूरोपीय समुदाय से होने वाले विषयगत माल के आयात के कारण घरेलू बाजार को होने वाली क्षति जारी नहीं रह सकती है या पुनः नहीं हो सकती है।

(iv) यद्यपि आयात की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग में अपने काम-काज में सुधार लाया है फिर भी घरेलू उद्योग की स्थिति कमजोर बनी रही है। इसके अलावा, यदि दक्षिण अफ्रीका से वर्तमान प्रतिपाटन शुल्क को वापस ले लिया जाता है तो घरेलू उद्योग को यह क्षति पुनः हो सकती है।

और यह सिफारिश की है कि दक्षिण अफ्रीका से होने वाले विषयगत माल के आयात पर अधिसूचना सं. 15/9/2007- डीजीएडी 4/8/2008 और सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 114/2008 दिनांक 31.10.2008, के द्वारा विनिर्दिष्ट दर से प्रतिपाटन शुल्क को जारी रखा जाए। जिससे कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके और सिंगापुर तथा यूरोपीय समुदाय से आयातित विषयगत माल पर से प्रतिपाटन शुल्क को वापिस ले लिया जाए। क्योंकि यदि उक्त प्रतिपाटन शुल्क को वापस ले लिया जाता है तो सिंगापुर और यूरोपीय समुदाय से होने वाले विषयगत माल के आयात के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति जारी नहीं रहेगी और यह पुनः भी नहीं होगी।

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (प्रतिपाटन वस्तुओं के अभिज्ञान, आकलन और उन पर प्रतिपाटन शुल्क के संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, के नियम 18 तथा 23 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1995 (1995 का 51) की धारा 9पर (की उक्त धारा (i) तथा (5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 114/2008- सीमा शुल्क दिनांक 31 अक्टूबर, 2008, जिसे सा.का.नि. 758 (अ), दिनांक 31.10.2008 के तहत भारत के राजपत्र, आसाधारण, के भाग 2 खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किया गया था का अधिक्रमण करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्वकी गई या करने से लोप की गई बातों को छोड़ते हुए, केन्द्र सरकार नामित प्राधिकारियों के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर, ऐसे माल पर जिनका विवरण निम्न सारणी के कॉलम-3 में विनिर्दिष्ट है, जो कि कॉलम-2 में दी गई तत्संबंधी प्रविष्टि के अनुसार उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद या उपशीर्ष के अंतर्गत आते हैं, कॉलम-4 में दी गई

तत्संबंधी प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट देश में मूलतः उत्पादित है और कॉलम-6 में दी गई तत्संबंधी प्रविष्टिमें यथा विनिर्दिष्ट, देश से निर्यातित हैं पर जिनका निर्यात कॉलम-5 में दी गई प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट देश से होता है, कॉलम (7) में दी गई प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट निर्यातकों के द्वारा, निर्यात किया जाता है और भारत में उनका आयात किया जाता हो, पर कॉलम (8) में दी गई प्रविष्टि में निर्दिष्ट राशि की दर से कॉलम (10) में दी गई प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट मुद्रा में, तथा कॉलम (9) में दी गई तत्संबंधी प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट इकाई मापन के अनुसार, प्रतिपाटन शुल्क लगाती है।

### सारणी

क्र.सं.	टैरिफ मद/उप- शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	उत्पादक देश	निर्यातित देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन की इकाई	करेंसी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	2707 99 00 या 2907 11	फेनोल	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	कोई	कोई	119	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
2	2707 99 00 या 2907 11	फेनोल	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका के अतिरिक्त अन्य देश	कोई	कोई	119	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
3	2707 99 00 या 2907 11	फेनोल	दक्षिण अफ्रीका के अतिरिक्त अन्य देश	दक्षिण अफ्रीका	कोई	कोई	119	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर

2. इस अधिसूचना के अंतर्गत आरोपित किए गए प्रतिपाटन शुल्क को सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से वसूला जाएगा और यह 30 अक्टूबर, 2013 तक वैध रहेगा।

3. इस अधिसूचना के अंतर्गत आरोपित प्रतिपाटन शुल्क का भुगतान भारतीय मुद्रा में किया जाना होगा।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए प्रतिपाटन शुल्क की गणना में प्रयोज्य विनिमय दर, वही दर होगी जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना, समय-समय पर जारी की गई, में विनिर्दिष्ट होगी। ऐसा सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है और विनिमय दर के निर्धारण की संगत तारीख वही तारीख होगी जो कि उक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 46 के अंतर्गत आगम पत्र के प्रस्तुत किए जाने की तारीख होगी।

(फा.सं. 354/124/2002-टीआरयू (भाग-III))

राज कुमार दिग्विजय, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(DEPARTMENT OF REVENUE)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3<sup>rd</sup> May, 2013

**No. 10/2013-Customs (ADD)**

**G.S.R. 285(E).**— Whereas, in the matter of import of Phenol (hereinafter referred to as the subject goods), falling under Chapter 27 or 29 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the said Customs Tariff Act), originating in, or exported from, European Union, South Africa and Singapore (hereinafter referred to as the subject countries), on the basis of the findings of the designated authority made vide notification No. 15/09/2007-DGAD dated the 4<sup>th</sup> August, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 4<sup>th</sup> August, 2008, the Central Government had imposed definitive anti-dumping duty on the subject goods *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 114/2008-Customs, dated the 31<sup>st</sup> October, 2008, published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R.758 (E), dated, the 31<sup>st</sup> October, 2008.

And whereas, the designated authority *vide* notification No. 15/16/2011-DGAD, dated the 8<sup>th</sup> December, 2011, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 8<sup>th</sup> December, 2011, had initiated review in terms of sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act read with rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said rules), in the matter of continuation of anti-dumping duty on imports of subject goods, originating in, or exported from, the subject countries, imposed *vide* notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 114/2008-Customs, dated the 31<sup>st</sup> October, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R.758 (E), dated the 31<sup>st</sup> October, 2008.

And whereas, the designated authority *vide* notification number 15/16/2011-DGAD, dated the 6<sup>th</sup> February, 2013 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 6<sup>th</sup> February, 2013, had concluded that-

- (i) the dumping margin of the subject goods imported from European Union and South Africa is positive whereas for Singapore it is negative during the period of investigation;
- (ii) subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices from South Africa should the present measures be withdrawn and the likely dumping margin and injury margin in respect of imports from South Africa is significant;
- (iii) the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur on account of imports of subject goods from Singapore and European Union, if the existing anti-dumping duty is withdrawn;
- (iv) even though the domestic industry has improved its performance during the period of investigation, the situation of domestic industry continues to be fragile and should the present anti dumping duties from South Africa be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to recur,

and had recommended continuation of anti dumping duty on imports of subject goods from South

Africa at the rates specified vide notification number 15/9/2007-DGAD dated the 4<sup>th</sup> August, 2008 and Customs notification number 114/2008 dated the 31<sup>st</sup> October, 2008 in order to remove injury to the domestic industry and withdrawal of anti dumping duties on subject goods from Singapore and European Union as the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur on account of imports of subject goods from Singapore and European Union, if the said anti-dumping duty is removed.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), read with rules 18 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 114/2008-Customs, dated the 31<sup>st</sup> October, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R.758 (E), dated the 31<sup>st</sup> October, 2008 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, hereby imposes on the goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under tariff item or sub-heading of the First Schedule to the said Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), originating in the country as specified in the corresponding entry in column (4), and produced by the producers as specified in the corresponding entry in column (6), when exported from the country as specified in the corresponding entry in column (5), by the exporters as specified in the corresponding entry in column (7), and imported into India, an anti-dumping duty at the rate equal to the amount indicated in the corresponding entry in column (8), in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (9) of the said Table.

**Table**

S. No	Tariff item/Sub-heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2707 99 00 or 2907 11	Phenol	South Africa	South Africa	Any	Any	119	MT	US dollar
2.	2707 99 00 or 2907 11	Phenol	South Africa	Any country other than South Africa	Any	Any	119	MT	US dollar
3.	2707 99 00 or 2907 11	Phenol	Any country other than South Africa	South Africa	Any	Any	119	MT	US dollar

2. The anti-dumping duty imposed under this notification shall be levied from the date of publication of this notification in the Official Gazette and valid up to the 30<sup>th</sup> October, 2013.

3. The anti-dumping duty imposed under this notification shall be payable in Indian currency.

*Explanation.* - For the purposes of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers conferred by section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the relevant date for determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F.No.354/124/2002-TRU (Pt-III)]

RAJ KUMAR DIGVIJAY, Under Secy.

